भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्याः 2732
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 09 मार्च, 2026
18 फाल्गुन,1947 (शक)

विरासत स्थलों का पुनरुद्धार

2732. **श्री बिप्लब कुमार देबः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश भर में विरासत स्थलों के पुनरुद्धार के लिए संरक्षण और विकास परियोजनाओं को कार्यान्वित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भारत की सांस्कृतिक विरासत के डिजिटलीकरण के लिए सरकार द्वारा की गई/की जा रही कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या त्रिपुरा में ऐसी किसी परियोजना की पहचान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): देश भर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 3686 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल हैं। इन केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण किया जाना एक सतत् प्रक्रिया है और यह राष्ट्रीय संरक्षण नीति के अंतर्गत, आवश्यकता एवं संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। ये सभी स्मारक/स्थल भली-भाँति परिरक्षित हैं।

(ग) और (घ): भारत सरकार ने वर्ष 2007 में राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य देश भर में संरक्षित स्मारकों (निर्मित धरोहर और स्थलों) और पुरावशेषों के दो राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करना है। अब तक, राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन ने 11,406 स्मारकों (निर्मित धरोहर और स्थलों) और 12,48,775 पुरावशेषों के आंकड़ों का दस्तावेजीकरण और उन्हें प्रकाशित किया है। इसके अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत संचालित विभिन्न पुरातत्वीय स्थल संग्रहालयों में संग्रहित की गई कलाकृतियों/वस्तुओं को राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन के निर्धारित प्रारूप में डिजिटलीकृत किया जा रहा है। डिजिटल किए गए रिकॉर्ड, राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन के समर्पित पोर्टल पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा, दो संग्रहालयों अर्थात् (i) पुरातत्व संग्रहालय, वेल्हा गोवा (गोवा) और (ii) पुरातत्व संग्रहालय, नागार्जुन कोंडा (आंध्र प्रदेश) की कलाकृतियों का भी डिजिटलीकरण किया गया है और इन्हें जतन सॉफ्टवेयर के माध्यम से 'भारतीय संग्रहालय' के वेब पोर्टल पर अपलोड किया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने पर्यटकों के लिए उनाकोटी तीर्थ, उनाकोटी, जिला-त्रिपुरा की मूर्तियों और शैलकृत आश्रयों में आभासी अनुभव (वर्चुअल वॉक थ्रू) की सुविधा प्रदान की है।

****